GOVT DEGREE COLLEGE DIGGAL
District Solan (H.P.) 173218
Tel. No. 01795-278777, (email: gcdiggal-hp@nic.in)

विश्व एड्स दिवस—आयोजित कार्यक्रमों की सूची

1. **जागरूकता व्याख्यान**
   - डॉ. सुनीता शर्मा द्वारा एचआईवी/एड्स की जानकारी, रोकथाम, सुरक्षित व्यवहार एवं जागरूकता पर विस्तृत संबोधन।
2. **डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शन**
   - एचआईवी संक्रमण के कारण, फैलने के तरीके, मिथक, ART थेरेपी तथा सामाजिक जागरूकता पर आधारित विशेष डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन।
3. **पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता**
   - "एचआईवी/एड्स जागरूकता", "भेदभाव रहित समाज", "सुरक्षित जीवनशैली" और "युवाओं की जिम्मेदारी" विषयों पर विद्यार्थियों द्वारा रचनात्मक पोस्टरों का प्रस्तुतिकरण।
4. **फ्लैश मोब गतिविधि**
   - विद्यार्थियों द्वारा *रेड रिब्बन* का प्रतीक बनाकर एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता का संदेश प्रसारित करना।
5. **समापन एवं प्राचार्या का संबोधन**
   - प्राचार्या डॉ. हरप्रीत कौर द्वारा आयोजन की सराहना एवं युवाओं को जागरूकता के महत्व पर प्रेरक संदेश।

विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता, संवेदना और सहभागिता का प्रभावी संगम

राजकीय महाविद्यालय दिग्गल में रेड रिब्बन क्लब द्वारा 1 दिसम्बर 2025 को विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में जागरूकता व्याख्यान, डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शन तथा पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ रेड रिब्बन क्लब की प्रभारी डॉ. सुनीता शर्मा के प्रेरक एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान से हुआ। अपने संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को विश्व एड्स दिवस के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, एचआईवी/एड्स की वैश्विक एवं राष्ट्रीय स्थिति, संक्रमण के कारण, संचरण के वैज्ञानिक तरीके, रोकथाम के उपाय तथा सुरक्षित जीवनशैली अपनाने की आवश्यकता के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करना तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना एचआईवी/एड्स की रोकथाम के लिए अत्यंत आवश्यक है। व्याख्यान के उपरांत एचआईवी/एड्स पर आधारित एक विशेष तथ्यात्मक डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित की गई जिसमें संक्रमण के विभिन्न स्रोतों, इससे जुड़े आम मिथकों, जागरूकता के महत्व, ART (एंटी-रेट्रो वायरल थेरेपी) की भूमिका तथा रोग से पीड़ित व्यक्तियों के प्रति सामाजिक संवेदनशीलता जैसे विषयों को सरल, प्रभावशाली और व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया गया। डॉक्यूमेंट्री ने विद्यार्थियों को न केवल वैज्ञानिक तथ्य प्रदान किए बल्कि रोग के सामाजिक आयामों के प्रति भी सजग किया। इसके पश्चात पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें विद्यार्थियों ने “एचआईवी/एड्स जागरूकता”, “भेदभाव रहित समाज”, “सुरक्षित जीवनशैली” और “युवाओं की जिम्मेदारी” जैसे विषयों पर अत्यंत रचनात्मक, संवेदनशील और संदेशप्रधान पोस्टर प्रस्तुत किए। पोस्टरों में युवाओं की कल्पनाशीलता, सामाजिक जागरूकता और जिम्मेदार दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। निर्णायक मंडल ने सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना करते हुए पोस्टरों को सार्थक अभिव्यक्ति का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों द्वारा एक प्रभावशाली फ्लैश मोब प्रस्तुत किया गया, जिसमें उन्होंने मानव श्रृंखला बनाकर *रेड रिब्बन* का प्रतीक चिह्न निर्मित किया और एचआईवी/एड्स जागरूकता का सशक्त संदेश दिया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. हरप्रीत कौर ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं को एचआईवी/एड्स जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्या के प्रति जागरूक करना समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है, और ऐसे आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थी न केवल ज्ञान अर्जित करते हैं बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में भी योगदान देते हैं। विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी, विषय के प्रति उनकी जिज्ञासा और जिम्मेदार व्यवहार ने इस आयोजन को सफल एवं प्रभावी बनाया। समग्र रूप से यह कार्यक्रम रेड रिब्बन क्लब की एक उद्देश्यपरक, प्रेरणादायी और ज्ञानवर्धक पहल सिद्ध हुआ, जिसने विद्यार्थियों में स्वास्थ्य चेतना, सामाजिक संवेदना तथा जिम्मेदार नागरिकता की भावना को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

SNAPCIAL

SNAPCIAL